



**Entrepreneurship
Development
Institute of India,
Ahmedabad**

Project Udaya by EDII:
Weaving Dreams into
Entrepreneurial Realities



**Entrepreneurship
Development
Institute of India,
Ahmedabad**

Press Release

Project Udaya by EDII: Weaving Dreams into Entrepreneurial Realities

The Landscape of Possibility

A quiet transformation is taking place in the green districts of Pune, Raigad, and Ratnagiri. **Led by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) and supported by TATA Communications Ltd.**, Project Udaya is rewriting the narratives of marginalised women, persons with disabilities (PwDs), and weaker sections of society by equipping them with the tools to become independent entrepreneurs.

At its core, Udaya was born from a fundamental belief: entrepreneurship is not a privilege but a fundamental right. The project's architects understood that true empowerment goes beyond training—it requires a holistic approach that addresses systemic challenges while nurturing individual potential.

The Architecture of Empowerment

The journey begins with **Entrepreneurship Awareness Camps (EACs)**—one-day immersive experiences that do more than inform; they inspire. These camps are carefully designed crucibles where dormant dreams are awakened. By introducing participants to viable business opportunities and government support schemes, Udaya transforms abstract possibilities into tangible pathways. Since its inception, these camps have reached 5,915 women and PwDs, each session meticulously crafted to challenge existing limitations and expand horizons, touching 10,000+ lives in Pune, Raigad, and Ratnagiri districts.

Building on this foundation, Udaya transitions participants into the **Women Entrepreneurship Development Programmes (WEDPs)**—customized training sessions designed to convert entrepreneurial aspirations into actionable skills. More than 1,400 women have been trained under WEDPs, gaining the knowledge to navigate business environments, evaluate opportunities, and establish successful enterprises. These programs emphasise practical learning, covering areas such as opportunity identification, financial management, marketing strategies, and entrepreneurial resilience.

Uma's Journey: A Microcosm of Potential

To truly understand Udaya's impact, one must look beyond statistics and into individual stories. Consider Uma—a high school graduate whose entrepreneurial dreams had been repeatedly thwarted.

When Uma enrolled in the Women Entrepreneurship Development Programme (WEDP) in Karanjade, Raigad, she was not just attending another training session. She was stepping into a transformative space designed to convert her aspirations into actionable strategies.

With targeted mentorship and hands-on training, Uma gained more than skills—she discovered confidence. Her venture, "Nutilock Premix," specialising in dehydrated vegetable and fruit products, emerged from this crucible of learning. An initial investment of INR 13 lakh blossomed into a monthly income of INR 50,000, with plans for further diversification.

Uma's story is not unique but emblematic—a testament to Udaya's philosophy that with the right support, any dream is achievable.

Beyond Training: A Comprehensive Ecosystem

Udaya's brilliance lies in its comprehensive approach. Training is merely the beginning. The project provides a robust support framework that includes:

1. Mentorship Programs
2. Access to Government Funding Schemes (PMEGP and CMEGP)
3. B2B Workshop Opportunities

4. Exhibition Platforms like "Swayamsidha"

The Swayamsidha Exhibitions in Raigad exemplify this approach. Showcasing products from 96 women entrepreneurs, these exhibitions attracted over 100,000 visitors and generated an average income of INR 20,500 per participant.

Quantifying Impact: More Than Just Numbers

The project's achievements are profound:

- **600+ microenterprises established**, creating pathways for self-reliance.
- **800+ jobs generated**, directly benefiting local communities.
- **86% of beneficiaries reported improved living standards**, showcasing transformative outcomes.
- Entrepreneurs' **average monthly income rose above INR 10,000**, with **average investment per unit exceeding INR 1 lakh**.
- Over **100 previously non-earning family members** now contribute to household incomes

Notably, **70% of beneficiaries come from affirmative action communities** (SC/ST women), addressing historical economic disparities.

The Ambassador Effect: Ripple of Empowerment

The Ambassador Programmes represent an innovative multiplication strategy. By providing **advanced training to 65 women entrepreneurs**, Udaya has created a network capable of inspiring and **mobilising over 3,000 additional women** in their communities.

Future Horizons: Scaling Transformation

As Udaya enters its third phase, the initiative is expanding with the following strategic priorities:

- Geographical Expansion: Northeastern states of Assam and Meghalaya
- Rural Incubation Centers focusing on green enterprises in Maharashtra and the North Eastern Region
- A dedicated e-commerce platform for UDAYA beneficiaries
- Enhanced focus on PwD inclusivity

A Movement, Not Just a Project

Udaya transcends traditional development models. It represents a nuanced understanding that economic independence is intrinsically linked to social equity. By creating entrepreneurs, the project is fundamentally redesigning societal structures.

This is a movement where marginalisation transforms into market opportunity, where individual potential becomes collective progress.

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान द्वारा प्रोजेक्ट उदया : उद्यमिता के सपनों को कर रहा साकार

पुणे, रायगढ़ और रत्नागिरी ज़िलों में उल्लेखनीय बदलाव हो रहा है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के नेतृत्व में टाटा कम्प्युनिकेशन्स लिमिटेड द्वारा समर्थित प्रोजेक्ट उदया समाज के हाथिए पर रहने वाली महिलाओं, दिव्यांगों और समाज के कमज़ोर वर्गों को स्वतन्त्र उद्यमी बनने के लिए ज़रूरी सहयोग प्रदान कर रहा रहा है।

प्रोजेक्ट उदया की शुरूआत एक बुनियादी सिद्धान्त के साथ की गई थी। उद्यमिता कोई विशेषाधिकार नहीं बल्कि मौलिक अधिकार है। सशक्तीकरण का दायरा प्रशिक्षण से बढ़कर है- इसी सौच के साथ पेश किया गया यह प्रोजेक्ट व्यक्तिगत क्षमता को बढ़ावा देते हुए चुनौतियों को हल करता है।

इस यात्रा की शुरूआत एंटरेप्रेन्योरशिप अवेयरनैस कैम्प के साथ होती है- एक दिवसीय अनुभव जो केवल जानकारी प्रदान नहीं करते, बल्कि प्रेरित भी करते हैं। ये कैम्प युवाओं के सपनों को जाग्रत करने के हेतु से डिजाइन किया गया है। प्रतिभागियों को कारोबार के अवसरों, सरकार की समर्थन योजनाओं के बारे में जानकारी देकर प्रोजेक्ट उदया उनके लिए संभावनाओं के मार्ग प्रशस्त करता है। शुरूआत से लेकर अब तक, इन शिविरों ने **5,915** महिलाओं और दिव्यांगों तक पहुंच बनाई है, हर सत्र मौजूदा सीमाओं को दूर कर संभावनाओं का विस्तार करता है, जिससे पुणे, रायगढ़ और रत्नागिरी ज़िलों में **10,000** से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुके हैं।

इस बुनियाद पर निर्माण प्रोजेक्ट उदया प्रतिभागियों को महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रमों (**WEDPs**) के साथ जोड़ता है - विशेष प्रशिक्षण सत्र जो उद्यमिता की आकांक्षाओं को व्यावहारिक कौशल में बदलने के लिए तैयार किए गए हैं। डब्ल्यूईडीपी के तहत **1,400** से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिससे उन्हें व्यापारिक माहौल को समझने, अवसरों का मूल्यांकन करने और सफल उद्यम स्थापित करने का ज्ञान प्राप्त हुआ है। ये कार्यक्रम व्यावहारिक शिक्षा पर जोर देते हैं, अवसर की पहचान, वित्तीय प्रबंधन, मार्केटिंग की रणनीतियों और उद्यमिता से जुड़े क्षेत्रों को कवर करता है।

प्रोजेक्ट उदया के प्रभाव को सही मायने में समझने के लिए, हमें आंकड़ों से परे जाकर व्यक्तिगत कहानियों पर ध्यान देना होगा। तो आइए बात करते हैं, उमा-हाई स्कूल स्नातक, जिनके उद्यमिता के सपनों को बार-बार बाधाओं का सामना करना पड़ा।

जब उमा ने रायगढ़ के करंजड़े में महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम (**WEDP**) में शामिल हुई, तो यह उनके लिए सिर्फ एक प्रशिक्षण सत्र ही नहीं था। वह एक ऐसे परिवर्तनकारी स्थान में कदम रख रही थीं, जिसने उनके सपनों को सक्रिय योजनाओं में बदल कर रख दिया।

उचित मार्गदर्शन और व्यवहारिक प्रशिक्षण के साथ, उमा ने सिर्फ कौशल ही नहीं पाया-उन्होंने आत्मविश्वास भी हासिल किया। उनका उद्यम 'न्युटिलॉक प्रीमिक्स' जो डीहाइड्रेटेड सब्ज़ियों और फलों के प्रोडक्ट्स में काम करता है। **13** लाख

रुपये के शुरूआती निवेश के बाद वह **50,000** रुपये मासिक आय कमा लेती है, और भविष्य में विस्तार की योजनाएं बना रही है।

उमा की कहानी अद्वितीय नहीं है, बल्कि प्रतीकात्मक है—यह प्रोजेक्ट उदया के सिद्धांत का प्रमाण है कि सही समर्थन के साथ, कोई भी सपना हासिल किया जा सकता है।

प्रोजेक्ट उदया की खासियत इसके व्यापक दृष्टिकोण में निहित है। प्रशिक्षण तो मात्र एक शुरूआत है। यह परियोजना प्रतिभागियों को ज़रूरी सहयोग उपलब्ध कराती है, जिसमें शामिल है: मेंटरशिप प्रोग्राम, सरकारी वित्तीय योजनाओं का एक्सेस (पीएमईजीपी और सीएमईजीपी), B2B वर्कशोप के अवसर, प्रदर्शनी प्लेटफॉर्म जैसे 'स्वयंसिद्ध'।

रायगढ़ में स्वयंसिद्ध प्रदर्शनी इसी दृष्टिकोण पर आधारित है। इस प्रदर्शनी में **96** महिला उद्यमियों के उत्पादों को दर्शाया गया, **100,000** से अधिक विजिटर पहुंचे और हर प्रतिभागी ने औसतन **₹ 20,500** की आय उपार्जित की।

परियोजना की उपलब्धियों में शामिल हैं: **600** से अधिक लघु उद्यम स्थापित किए गए, जिन्होंने आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त किया; **800** से अधिक नौकरियां उत्पन्न हुईं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिला; **86** फीसदी लाभार्थियों के जीवनस्तर में सुधार आया, जो परियोजना के बदलावकारी परिणाम को दर्शाता है; उद्यमियों की औसत मासिक आय **₹ 10,000** से अधिक पहुंच गई और प्रति युनिट औसत निवेश **₹ 1** लाख को पार कर गया; **100** से अधिक सदस्य जो पहले नहीं कमाते थे, वे आज परिवार की आय में योगदान दे रहे हैं। अफरमेटिव एक्शन कम्युनिटीज (एससी/एसटी महिलाओं) से तकरीबन **70** फीसदी लाभार्थियों की आर्थिक समस्याएं हल हुई हैं।

अंबेसडर प्रोग्राम आधुनिक गुणात्मक रणनीति को दर्शाता है। **65** महिला उद्यमियों को आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करके, प्रोजेक्ट उदया ने एक ऐसा नेटवर्क तैयार किया है, जो अपने समुदायों में **3,000** से अधिक महिलाओं को प्रेरित करने और संगठित करने में सक्षम है।

प्रोजेक्ट उदया अपने तीसरे चरण में प्रवेश कर रहा है, यह पहल अन्य प्राथमिकताओं के साथ विस्तारित हो रही है: जिसमें भौगोलिक विस्तार: असम और मेघालय के उत्तर-पूर्वी राज्य, ग्रामीण इन्क्युबेशन सेंटर जो महाराष्ट्र और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में हरित उद्यमों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्रोजेक्ट उदया के लाभार्थियों के लिए समर्पित ई-कॉर्मस प्लेटफॉर्म, दिव्यांगों के समावेशन पर ज़्यादा फोकस शामिल है।

प्रोजेक्ट उदया विकास के पाम्परिक मॉडलों से परे है। यह आर्थिक स्वतन्त्रता के माध्यम से सामाजिक स्तर पर समानता को प्रोत्साहित करता है। उद्यमियों का निर्माण कर यह परियोजना सामाजिक संरचना में नया बदलाव ला रही है।

यह एक ऐसा आंदोलन है, जहां हाशिए पर मौजूद लोगों की समस्याएं को अवसरों में बदल देता है, और व्यक्तिगत क्षमता सामुहिक प्रगति के रूप में उभरती है।

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદયા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુણે, રાયગઢ અને રન્નાગાડી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટેટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા હંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PWDs) અને સમાજના નબળા વર્ગોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદયાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરૂ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ઠા સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદયા અમૃત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઇ અત્યાર સુધી આ શિબિરો 5,915 મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી યૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્રિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રન્નાગાડી જિલ્લામાં 10,000થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યો છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદયા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (WEDPs) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્ષમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. WEDPs હેઠળ 1,400 થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત

થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની અસરને સાચા અર્થમાં સમજવા માટે, આપણે આંકડાઓમાંથી બહાર આવીને વ્યક્તિગત વાર્તાઓ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવાની જરૂર છે. ઉમા - ઉચ્ચ શાળા સ્નાતક. જેના ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપના વારંવાર નિષ્ફળ થયા.

જ્યારે ઉમાએ રાયગઢના કરેજડેમાં મહિલા ઉદ્યમિતા વિકાસ કાર્યક્રમ (WEDP)માં પ્રવેશ મેળવ્યો, તે માત્ર ચેક પ્રશિક્ષણ સત્ર ન હતું. પરંતુ તે પરિવર્તનશીલ સ્થળ તરફ આગળ વધી હતી, જેણે તેના સપનાઓને સહિય યોજનાઓમાં પરિવર્તિત કર્યા.

લક્ષ્યિત માર્ગદર્શન અને વ્યવહારિક તાલીમની સાથે, ઉમાએ કૌશલ્ય કરતાં વધુ મેળવ્યું - તેણીએ આત્મવિશ્વાસ મેળવ્યો. તેમનું ઉદ્યોગ સાહસ 'ન્યુટ્રિલોક પ્રીમિક્સ' જે ડિફાઇન્ડ શાકભાજુ અને ફળોના ઉત્પાદોમાં કામ કરે છે. 13 લાખ રૂપિયાનું શરૂઆતી રોકાણ પછી તેઓ હવે 50,000 રૂપિયાની માસિક આવક મેળવી રહ્યા છે. અને ભવિષ્યમાં વ્યવસાયને આગળ ધ્યાન પણ બનાવી રહ્યા છે.

ઉમાની વાર્તા પ્રતીકાર્ત્મક છે - આ પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાના સિક્ષાંતનો પુરાવો છે કે યોગ્ય સમર્થન સાથે, કોઈપણ સ્વાજ્ઞ સાકાર કરી શકાય છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની ખાસિયત તેના વ્યાપક અભિગમમાં રહેલી છે. તાલીમ એ માત્ર શરૂઆત છે. આ પ્રોજેક્ટ સહભાગીઓને જરૂરી સહયોગ પ્રદાન કરે છે, જેમાં સામેલ છે: માર્ગદર્શક કાર્યક્રમો, સરકારી ભંડોળ યોજનાઓ સુધી પહોંચ (PMEGP અને CMEGP), B2B વર્કશોપ તક, "સ્વયંસિક્ષ" જેવા પ્રદર્શન પ્લેટફોર્મ.

રાયગઢમાં સ્વયંસિક્ષ પ્રદર્શની આ અભિગમનું ઉદાહરણ છે. આ પ્રદર્શનીમાં 96 મહિલા સાહસિકોના ઉત્પાદનોનું પ્રદર્શન કરવામાં આવ્યું, આ પ્રદર્શનીમાં 100,000 શી વધુ મુલાકાતીઓએ મુલાકાત લીધી અને દરેક પ્રતિભાગીને સરેરાશ 20,500 રૂપિયાની આવક થઈ.

પ્રોજેક્ટની સિક્ષિઓમાં શામેલ છે : 600થી વધુ માઈક્રો એન્ટરપ્રાઇઝની સ્થાપના, જેનાથી આત્મનિર્ભરતા માટે માર્ગો બનાવ્યા; 800થી વધુ નૌકરીઓની તક ઉત્પણ થઈ, જેનો ફાયદો સ્થાનિક અર્થવ્યવસ્થાને થાય છે; 86% લાભાર્થીઓના જીવનઘોરણમાં સુધારો થયો છે જે પ્રોજેક્ટના પરિવર્તનકારી પરિણામો સામે આવ્યા. ઉદ્યોગ સાહસિકોની સરેરાશ માસિક આવક 10,000 રૂપિયાથી ઉપર થઈ, જેમાં પ્રતિ યુનિટ સરેરાશ રોકાણ 1 લાખ રૂપિયાથી વધુ ગયું; અગાઉ 100થી વધુ બિન-કમાણી પરિવારના સભ્યો હવે ઘરની આવકમાં ફળો આપે છે. ઉલ્લેખનીય વાત એ છે કે અક્રમેટિવ એક્શન કમ્યુનિટીઝ (SC/ST મહિલાઓ)થી 70% લાભાર્થીઓની આંધ્રિક સમસ્યાઓનો નિકાલ આવ્યા છે.

એમેસેડર પ્રોગ્રામ્સ નવીન ગુણાકાર વ્યૂહરચના રજૂ કરે છે. 65 મહિલા ઉદ્યોગસાહસિકોને અધ્યતન તાલીમ આપીને, પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાએ એક નેટવર્ક તૈયાર કર્યું છે, જે તેમના સમૃદ્ધાયોમાં 3,000 થી વધુ મહિલાઓને પ્રેરણ આપવા અને એકત્ર કરવા સક્ષમ છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા તેના ત્રીજા તબક્કામાં પ્રવેશ કર્યો છે આ પહેલ વ્યૂહાત્મક પ્રાથમિકતાઓ સાથે વિસ્તરી રહી છે: જેમાં ભૌગોલિક વિસ્તરણઃ આસામ અને મેઘાલયના પૂર્વોત્તર રાજ્યો, ગ્રામીણ ઇન્ક્યુબેશન કેન્દ્રો મહારાષ્ટ્ર અને ઉત્તર પૂર્વ પ્રદેશમાં ગ્રીન એન્ટરપ્રાઇઝ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરે છે, પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાના લાભાર્થીઓ માટે એક સમપ્રિત ઈ-કોર્સ્ પ્લેટફોર્મ, વિકલાંગ વ્યક્તિઓના સમાવેશ પર વધુ ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવામાં આવ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા પરંપરાગત વિકાસ મોડલથી અલગ છે. તે આર્થિક સ્વતંત્રતા દ્વારા સામાજિક સ્તરે સમાનતાને પ્રોત્સાહન આપે છે. ઉદ્યોગ સાહસિકોને તૈયાર કરીને, સામાજિક માળખામાં પરિવર્તન લાવે છે.

આ એક એવું આંદલોન છે કે જે હાંસિયામાં રહેલા લોકોની સમસ્યાને તકમાં પરિવર્તિત કરે છે, અને વ્યક્તિગત ક્ષમતા સામૂહિક પ્રગતિ બની જાય છે.



**Entrepreneurship
Development
Institute of India,
Ahmedabad**

Media Coverage

PUBLICATION NAME : Garv Bhoomi
EDITION : Ahmedabad
DATE : Jan 10, 2025
PAGE : Pg 02

**EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉદ્યોગ
સાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર**

ગાર્વ ભૂમિ

પુષ્ટિ, રાયગઢ અને સ્વામીજી કિલોમીટરમાં નોંધ્યાય પરિવહન વાઈ રથા છે. આ અગ્રિમન્દોરાયિ તુલવેમેન્ટ ઈન્સ્ટિલ્યુટ એક ઈડિન્યા (EDII) ની આંગણવાની ડેટા અને વાદ્ય કોમ્પ્યુનિટેડ એચસ લિમિટેડ દ્વારા સમર્પિત પોર્ટલ કર્યા લાંબિયાંપણે કલાકાર ગયેલી લિલાલાઓ, દિવાયાગ વિકાસાર્થી (PWDs) અને સમાજના જાણ વર્ગને સ્વાત્મ ઉત્ત્યાગસાહિક ભાવના



માટે સામનો પુરા પારી રહ્યું છે.
ઓઝેક્ટ ઉત્તરાની શરૂઆત
મૂળજીવિસિદ્ધ સાથે કરવામાં
આવી હતી. તોચોલિવિકાઠા
એક વિશેખાપિકાર નથી પણ
મૂળજીવ
અન્નિકાર
શરૂઆતિકશનના છડ તાલીમાંના
વિદ્યાને છે-ના વિદ્યાને આધારમાં
રાખીના આ ઓઝેક્ટ શરૂ કરવામાં
આય્યા કે વિદ્યાળ વિભાગને
પ્રોફેસિયલ કરીને પદકરોણું
સમાપ્તાન કરે છે.
આ યાત્રાની શરૂઆત
સાહિત્યકાળ જ્યાણવિદ્યાશરૂ
વથનું-એક હિન્દુષ્ટાની જી
માનવીની ઇતિહાસ વિષયનું તો મૈં

નાહિત્ત ડરતી ચચુ પ્રદાન છે; તથા
મેરાં આપે હે. આ [શાખા]

ଶାହମାରୀଙ୍ଗେ ଯଥରୁପିକ ତତ୍ତ୍ଵ
ଅନେ ଶାହରୀର ଶାହୀକ
ଚାନ୍ଦାଜୋରୀମାର୍ଗ ପରିଚିତ କରାଯାଇ,
ମେଣ୍ଡଲ୍ ଉଦ୍‌ସ୍ଥିତ କରାଯାଇ ଏବଂ ଶାହମାରୀଙ୍ଗେ
ମୂର୍ଖ ମାତ୍ରାଙ୍ଗେ ପରିଚିତ ହେଲାଛେ.
ଶାହମାରୀ ବାର ଅଧିକ ଦୂରୀ ଆ
ବିଶ୍ଵାସୀରେ ପାଇଁ ପାଇଁ ଦୂରୀଙ୍କୁ ଅନେ
ଦିଆଯାଇଥାରୁ କୁଳୀ ପାଇଁକା ବୁଝି ହେଲା,
ଦେଖିବା କରିବାରେ କରିବାରେ ଅନେ ବିଜିତିରେ ବିଭିନ୍ନ
କରାଯା ଏବଂ କରାଯାଇ କରାଯାଇ
କରାଯାଇ ଏବଂ ପୁଣୀ, ପୁଣୀର କରାଯାଇ
କରାଯାଇ କରାଯାଇ କରାଯାଇ
କରାଯାଇ କରାଯାଇ କରାଯାଇ

આ આપાર દર નિમત્ત
પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા સહભાગીઓને

મોઝેક્ટ ઉદ્યાની અભસને
યા અર્થમાં સમજવા માટે,
પણ આંકડાઓ માંથી બહાર
વીને વ્યક્તિગત વાતાઓ પર
ન કેન્દ્રિત કરવાની જરૂર છે.
- ઉચ્ચ શાળા સ્નાતક. કેના
ગોગસાલિસ્કિતાના સપના
વાર નિર્ણય થયા.

ଜ୍ୟୋତି ଉମ୍ରେ ରୟାଜନୀ
କର୍ମଚାରୀ ମହିଳା ଉପରେ କିମ୍ବା
ପଦାଧିକ ଉପରେ (WEPD) ଏବଂ ମେଲ୍‌କାର
ବ୍ୟୋ, ତେ ମାତ୍ର ଏକ ପ୍ରସିଦ୍ଧ କ୍ଷଣ
ଦର୍ଶକ, ପରିଦୃତ ତେ ପରିଚାରିକା କ୍ଷଣ
ଗର ରାଜ୍ୟାଳ୍ୟର ଯୌଧି ଲାଭୀ, ଏବେ
ଏ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ
ନାନ୍ଦାମୋହନ ପଦିତ କ୍ଷୟ.

ବିଶ୍ୱାସ ମାର୍ଗଦାରୀ ଅନେ
ବିଶ୍ୱାସିକ ତାଲିମାନୀ ଥାବେ,
ଏବେ କ୍ଷୟାତିକ କରନ୍ତୁ ମେଲ୍‌କାର
ତେବୀଙ୍କେ ଆତମନ୍ତ୍ଵିକ୍ୟା
ବ୍ୟୋ, ତମନ୍ତୁ ଉପରେ ଗ୍ରାହକ
ପଦାଧିକ ଉପରେ (WEPD) ଏବଂ
ପଦାଧିକ ଉପରେ (WEPD) ଏବଂ
ପଦାଧିକ ଉପରେ (WEPD) ଏବଂ

PUBLICATION NAME : Gujarat Karobar
EDITION : Ahmedabad
DATE : Jan 10, 2025
PAGE : Pg 02

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉધોગ
સાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

PUBLICATION NAME	:	Gujarat Pranam
EDITION	:	Ahmedabad
DATE	:	Jan 10, 2025
PAGE	:	Pg 02

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર



પુણે, રાયગઢ અને રલાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંતરિક્ષ્યોરશિપડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા હંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, હિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PwDs) અને સમાજના નભળાવળોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે. પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેપાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે.

સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધીને

છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરૂ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે. આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે મહિંતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિર્જિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૮૧૫ મહિલાઓ અને હિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રલાગીરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

PUBLICATION NAME : Jay Gujarat
 EDITION : Ahmedabad
 DATE : Jan 10, 2025
 PAGE : Pg 02

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉદ્ઘોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. અંતર્પ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્પ્યુનિકેશન્સ વિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, હિંદુંગ વ્યક્તિત્વો (PwDs) અને સમાજના નભળા વર્ગને સ્વરૂપ ઉદ્ઘોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્ઘોગસાહસિકતા એક વિશેષાવિકાર નથી પણ મૂળભૂત અવિકાર છે. સથકિન્તકરણની હડતાલમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરૂ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાયાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરાથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરક્ષા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિર્ઝિય સપનાને જાગૃત કરાય છે.



સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને

સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા અમૃત શક્યતાઓને મૂત્ર માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અન્યાર સુધી આ શિબિરો પ્રે, ૮૧૫ મહિલાઓ અને હિંદુંગો સુધી પણોથી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને કિનિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (WEDPs) સાથે જોડે

- તાલીમ સત્ર જે ઉદ્ઘોગસાહસિકની આંકંશાઓને કાર્યક્રમ કોશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. **WEDPs** હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્વાપિત કરવા માટે શાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાશાદીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્ઘોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

PUBLICATION NAME : Karnavati India
 EDITION : Ahmedabad
 DATE : Jan 10, 2025
 PAGE : Pg 03

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્ઘાટન : ઉદ્ઘોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંત્રપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્પ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્ઘાટનિયામાં ખકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PwDs) અને સમાજના નભળા વર્ગને સ્વતંત્ર ઉદ્ઘોગ સાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્ઘાટની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા એક વિશેષાવિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હંદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરૂ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાગ્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિર્ઝય સપનાને જાગૃત કરાય છે.



સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિવર્તિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદ્ઘાટન અમૃત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો પ.૮૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પછોચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્ઘાટન સહભાગીઓને તુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (WEDPs) સાથે જોડે તાલીમ સત્ર જે ઉદ્ઘોગ સાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્રમ કોશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. WEDPs હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને નાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે શાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્ઘોગ સાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

PUBLICATION NAME : Nirmal Metro
 EDITION : Ahmedabad
 DATE : Jan 10, 2025
 PAGE : Pg 03

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

અજન્સી દ્વારા

પુણે, રાયગઢ અને રલાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંતરિકન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા ક્રોમ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PWDs) અને સમાજના નભળા વગ્ને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અધિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ તાલીમથી વધી ને છે- આવિચારને ઘાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરૂ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ઠિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તક અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા અમૃત



શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે.

શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો પ, ૮૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રલાગીરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા સહભાગીઓને વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (ઉઈઝ્ઝ) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકીની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્રમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. ઉઈઝ્ઝ હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે જ્ઞાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મુકે છે.

PUBLICATION NAME : Samay Sauno
 EDITION : Ahmedabad
 DATE : Jan 10, 2025
 PAGE : Pg 03

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર



એજન્સી દ્વારા

પુષે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંતરિક્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્ડિસ્ટ્રીટ આંડ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની ડેકણ અને વાતા કોમ્પ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા હાંસિયામાં ખડેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PWDs) અને સમાજના નબળા વર્ગને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પારી રહ્યું છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાવિકાર નથી પણ મૂળભૂત અવિકાર છે. સશક્તિકરણની હદ્દ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરૂ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહેતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તેથાર કરાય છે જ્યાં નિર્ઝિય સપનાને જાગૃત કરાય

છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિવર્તિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા અમૃત શક્યતાઓને મૂત્ર માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે.

શરૂઆતથી લઈ અન્યાર સુધી આ શિબિરો પ, ઈપ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મયારાઓન પડકારવા અને કિનિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તેથાર કરાય છે, જેને પુષે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા સહભાગીઓને તુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ (ઉઈઝ્જ) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્રમ કૌશલ્યોમાં રૂપાંતરિત કરવા માટે તેથાર કરવામાં આવ્યા છે. ઉઈઝ્જ ડેકણ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થાપિત કરવા માટે શાન પ્રાપ્ત થાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર ભાર મૂકે છે, જે માં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની અસરને સાચા અર્થમાં સમજવા માટે, આપણે આંકડાઓમાંથી બહાર આવીને વ્યક્તિગત વાતર્ઓ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવાની જરૂર છે.

PUBLICATION NAME : Sunvilla Samachar
 EDITION : Ahmedabad
 DATE : Jan 10, 2025
 PAGE : Pg 03

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉદ્ઘોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી



સનાવિલા ન્યૂજ, અમદાવાદ, તા. ૬

પુણી, રાયગઢ અને રનગાડી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પારિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંતરિક્ષોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની વુક્ત તૈયાર કરાય છે, જેને પુણી, રાયગઢ આગેવાની ડેઢળ અને રાયગઢ અને રનગાડી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી હશ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત વધુ લોડનાળવનને પ્રભાવિત કર્યા છે. પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા હંસિયામાં પહેલાય આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા ગણેલી મહિલાઓ, દિવ્યાગ વ્યક્તિઓ સહભાગીઓને તુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ અને સમાજના નબળા વર્ગને સ્વતંત્ર ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ સથે જોડે છે - ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પારી રહ્યું છે. પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની શરૂઆત મૂળભૂત સિક્લાંત સાચે કરવામાં આવી છી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષજ્ઞિકાર નથી પણ મૂળભૂત મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી અધિકાર છે. સશક્તિકરણની ડાંડ છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક તાલીમથી વર્ષીને છે-આ વિચારને વાતાવરણની સમજ, તડેનું મૂલ્યાંકન ચાન્દમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરૂ કરવા અને ભફળ સાહસો સ્થાપિત કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્રમતાને પડકારેનું સમાધાન પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારેનું કરે છે. આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ વયસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરસ્યાના અને થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેમો કેન્દ્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

PUBLICATION NAME : Kiran Utkarsh
 EDITION : Ahmedabad
 DATE : Jan 10, 2025
 PAGE : Pg 02

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના



એજન્સી દ્વારા

પુષે, રાયગઢ અને રતાગિરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંગ્રેઝીયો રશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોર્પુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા હંસિયામાં ખડકાય ગેલી મહિલાઓ, હિંદ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PWDs) અને સમાજના નભળાવાળોને સ્વતંત્ર ઉદ્યોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પાડી રહ્યું છે. પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની શરૂઆત મૂળભૂત ચિહ્નાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અવિકાર છે. સાચીકરણની હદ્દ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરૂ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્રમાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિભિરોથી શરૂ થઈ—એક

સપનાને કરી રહી છે સાકાર

દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણ આપે છે. આ શિભિરોથે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે જ્યાંનિયાં સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તક અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિવર્તિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે.

શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિભિરાં ૫,૮૧૫ મહિલાઓ અને દિવસીય સુધી પણોચી ચૂકી છે, દરેક સત્ત્વ વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને શિક્ષિજ્ઞ વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તૈયાર કરાય છે, જેને પુષે, રાયગઢ અને રતાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા સહભાગીઓને તુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોચ્રામ્સ (ઉઈઝ્જ) સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ત્વ કે ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને કાર્યક્રમ દોશલ્યોમાં ઇપાંતરિત કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. ઉઈઝ્જ હેઠળ ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક તાલીમની સાથે, ઉમાએ કોશલ્ય કરતાં વધુ મેળવ્યું - તેણીએ આત્મવિશ્વાસ મેળવ્યો. તેમનું ઉદ્યોગ

સાહસ 'ન્યુટ્રિલોક પ્રીમિક્સ' જે ડિલ્લીસ્ટેડ શાકભાજ અને કળોના ઉત્પાદોમાં કામ કરે છે. ૧૩ લાખ રૂપિયાનું શરૂઆતી રોકાણ પણી રેન્ડો હવે ૫૦,૦૦૦ રૂપિયાની માસિક આવક મેળવી રહ્યા છે. અને ભવિષ્યમાં વ્યવસાયને આગળ ધ્યાવવાની યોજના પણ બનાવી રહ્યા છે.

ઉમાની વાર્તા પ્રતીકાંતમક છે - આ પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાના સિક્વાંતનો પુરાવો છે કે યોગ્ય સમર્થન સાથે, કોઈપણ સ્વરૂપ સાકાર કરી શકાય છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની ખાસિયત તેના વ્યાપક અભિગમમાં રહેલી છે. તાલીમ એ માત્ર શરૂઆત છે. આ પ્રોજેક્ટ સહભાગીઓને જરૂરી સહયોગ પ્રદાન કરે છે, જેમાં સામેલ છે: માર્ગદર્શક કાર્યક્રમો, સરકારી બંદોગ યોજનાઓ સુધી પહોંચ (સર્કારી અને અસર્કારી), મર્ગ વકશોપ તક, "સ્વયંસિલ" જેવા પ્રદર્શન પ્લેટફોર્મ.

રાયગઢમાં સ્વયંસિલ પ્રદર્શની આ અભિગમનું ઉદાહરણ છે. આ પ્રદર્શનીમાં ૬૮ મહિલા સાહસિકોના ઉત્પાદનોનું પ્રદર્શન કરવામાં આવ્યું, આ પ્રદર્શનીમાં ૧૦૦,૦૦૦ થી વધુ મુલાકાતીઓને મુલાકાત લીધી અને દરેક પ્રતિભાગીને સરેરાશ ૨૦,૫૦૦ રૂપિયાની આવક થઈ.

PUBLICATION NAME : Tapobhumi Gujarat
 EDITION : Ahmedabad
 DATE : Jan 10, 2025
 PAGE : Pg 02

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાઃ ઉધોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુષ્ટે, રાયગઢ અને રલાગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. અંતર્પ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની હેઠળ અને ટાટા કોમ્પ્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા હાંસિયામાં ધકેલાય ગયેલી મહિલાઓ, દિવ્યાંગ વ્યક્તિઓ (PwDs) અને સમાજના નભણા વગ્નને સ્વતંત્ર ઉધોગ સાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પારી રહ્યું છે. પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી.

ઉધોગ સાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી પણ મૂળભૂત અવિકાર છે. સાંકેતિક રણની હદ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ધ્યાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરૂ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાધાન કરે છે. આ યાગાની



શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ - એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુપ્રદાન છે; તેઓ પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂર્વક તેયાર કરાય છે જ્યાં નિષ્ઠિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તક અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિચિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા અમૂર્ત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં છે.

પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો પ.૪૧૫ મહિલાઓ અને દિવ્યાંગો સુધી પહોંચી ચૂકી છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને ક્ષિતિજને વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તેયાર કરાય છે, જેને પુષ્ટ, રાયગઢ અને રલાગીરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના જીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે.

PUBLICATION NAME : The Venus Times
EDITION : Ahmedabad
DATE : Jan 10, 2025
PAGE : Pg 04

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉદ્ઘોગ સાહસિકતાના સપનાને કરી



દ્વારાના સાહસિકતાના સપનાને કરી

પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે. આંતરિકનોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) ની આગેવાની ડેઢા અને વાટા ક્રોન્યુનિકેશન્સ લિમિટેડ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા છાંસિયામાં ખેડુલાય ગયેલી મહિલાઓ, હિંદું વ્યક્તિઓ અને સમાજના નભળા વર્ગને સ્વતંત્ર ઉદ્ઘોગસાહસિક બનાવવા માટે સાધનો પુરા પારી રહ્યું છે. પ્રોજેક્ટ ઉદ્યાની શરૂઆત મૂળભૂત સિદ્ધાંત સાથે કરવામાં આવી હતી. ઉદ્ઘોગસાહસિકતા એક વિશેષાધિકાર નથી. પણ મૂળભૂત આધિકાર છે. સશક્તિકરણની હઠ તાલીમથી વધીને છે-આ વિચારને ઘાનમાં રાખીને આ પ્રોજેક્ટ શરૂ કરવામાં આવ્યો જે વ્યક્તિગત ક્ષમતાને પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારોનું સમાવાન કરે છે. આ યાત્રાની શરૂઆત સાહસિકતા જાગૃતિ શિબિરોથી શરૂ થઈ—એક દિવસીય અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ પ્રદાન છે; તેમો

પ્રેરણા આપે છે. આ શિબિરો કાળજીપૂરુક તૈયાર કરાય છે જ્યાં નિર્જિય સપનાને જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને વ્યવસાયિક તકો અને સરકારી સહાયક યોજનાઓથી પરિવર્તિત કરાવીને, પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા અમૃત શક્યતાઓને મૂર્ત માર્ગોમાં પરિવર્તિત કરે છે. શરૂઆતથી લઈ અત્યાર સુધી આ શિબિરો ૫,૮૧૫ મહિલાઓ અને દિવયાંગોસુધી પદોશીઓની છે, દરેક સત્ર વર્તમાન મર્યાદાઓને પડકારવા અને વિત્તિજ્ઞ વિસ્તૃત કરવા માટે કાળજીપૂરુક તૈયાર કરાય છે, જેને પુણે, રાયગઢ અને રત્નાગિરી જિલ્લામાં ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોનાજીવનને પ્રભાવિત કર્યા છે. આ આધાર પર નિર્મિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા સહભાગીઓને વુમન અન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ પ્રોગ્રામ્સ સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે ઉદ્ઘોગસાહસિકની આકંશાઓને ડાર્યક્ષમ ડોશલ્યોમાં રૂપ તાત્ત્વિક કરવા માટે તૈયાર કરવામાં આયા છે. ડેડા ૧,૪૦૦ થી વધુ મહિલાઓને તાલીમ આપવામાં આવી છે, જેનાથી તેમને વ્યવસાયિક વાતાવરણની સમજ, તકોનું મૂલ્યાંકન કરવા અને સફળ સાહસો સ્થપિત કરવા માટે શાન ગ્રામ ચાય છે. આ કાર્યક્રમ પ્રામોગિક શિક્ષણ પર ભાર મુકે છે, જેમાં તકોની ઓળખ, નાણાકીય વ્યવસ્થાપન, માર્કેટિંગ વ્યૂહરચના અને ઉદ્ઘોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા જેવા ક્ષેત્રોને આવરી લેવામાં આવે છે.

PUBLICATION NAME : Suryakal
 EDITION : Ahmedabad
 DATE : Jan 11, 2025
 PAGE : Pg 02

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉદ્ઘોગ સહસીકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

પુષે, શનિવાર
 પુષે, રાયગઢ અને
 રતાંગીરી જિલ્લાઓમાં નોંધપાત્ર
 પરિવર્તન થઈ રહ્યા છે.
 આંતરિક્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ
 ઇન્સ્ટિટ્યુટ એંડ ઈન્ડિયા
 (EDII) ની આગેવાળી હેઠળ
 અને ટાડા કોચુનિકેશન્સ
 વિનિયોગ દ્વારા સમર્પિત પોઝેક્ટ
 ઉદ્યા બાંસિયામાં પકેલાય જયેલી
 મહિલાઓ, દિવ્યાગ વ્યક્તિનો
 (PwDs) અને સમાજના નાણાઓ
 વર્ગને સર્વત્રને ઉદ્યોગસાહસિક
 ભાનવચા માટે સાખનો પુરા પાડી
 રહ્યું છે.

પોઝેક્ટ ઉદ્યાની શરૂઆત
 મૂળભૂત વિકાસ સાથે કરવામાં
 આવી હતી. ઉદ્યોગસાહસિકતા
 એક વિશેખાપિક કાર નવી પદ્ધતિ
 મૂળભૂત અવિકાર છે.
 સશક્તિકરણની હડ તાલીમથી
 વર્ષને છે-આ વિચારને આનંદમાં
 રાખીને આ પોઝેક્ટ થ઱ કરવામાં
 આયો જે વ્યક્તિગત કામતાને
 પ્રોત્સાહિત કરીને પડકારો નું
 સમાધાન કરે છે.

આ યાત્રાની શરૂઆત
 સાહસિકતા જાગૃતિ રિભિરેશની
 શરૂ થઈ—એક દિવસીય
 અનુભવો જે માહિતી કરતાં વધુ
 પ્રદાન કરે તેઓ મેરણા આપે છે.
 આ શિબિસો કાળજીપૂર્વક નેયાર
 કરાય છે જ્યાં નિષ્ક્રિય સપનાને
 જાગૃત કરાય છે. સહભાગીઓને



વયસાયિક તરીકે અને સરકારી કરવામાં તેથાર કરવામાં આવ્યા
 સહાયક યાજનાઓથી પરિવિષ્ટ કરાવીને, પોઝેક્ટ ઉદ્યા અમૃત
 શક્યતાઓને મૂત્ર માર્ગોમાં વધુ
 પરિવિષ્ટ કરે છે. શરૂઆતથી
 વઈ અન્યાર સુધી આ શિખિરો
 ૫,૮૧૫ મહિલાઓ અને
 દિવ્યાંગો સુધી પરોંચી ચુકી છે.
 દરેક સત્ર વર્ષમાન મર્યાદાઓને
 પડકારવા અને કિનિજને વિસ્તૃત
 કરવા માટે કાળજીપૂર્વક તેથાર
 કરાય છે, જેને પુષે, રાયગઢ અને
 રતાંગીરી જિલ્લામાં
 ૧૦,૦૦૦થી વધુ લોકોના
 જીવનેને આવરી લેવામાં આવે
 છે. પોઝેક્ટ ઉદ્યાની અસરને
 આ આધાર પર નિર્ધિત
 પોઝેક્ટ ઉદ્યા સહભાગીઓને
 વુમન એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ
 ડેવલપમેન્ટ-પ્રોથમાસ (WEDPs)
 સાથે જોડે છે - તાલીમ સત્ર જે
 ઉદ્યોગસાહસિકની આકાંક્ષાઓને
 કાર્યક્રમ કોંશલ્યોમાં રૂપોત્તરિત

કરવામાં તેથાર કરવામાં આવ્યા
 છે. WEDPsએટણ ૧,૪૦૦ વિદ્યાર્થી
 મહિલાઓને તાલીમ
 આપવામાં આવી છે, જેનાથી
 તેમને વયસાયિક વાતાવરણની
 સમજ, તરણું મુલ્યાંકાંડ કરવા
 અને સંકણ સાહસો સ્થપિત
 કરવા માટે જાનપાર થાપ છે. આ
 કાર્યક્રમ પ્રાયોગિક શિક્ષણ પર
 ભાર મૂકે છે, જેમાં તરીકોની
 ઓળખ, નાશકીય વ્યવસ્થાન,
 માર્કેટિંગ વ્યાલર્ચના અને
 ઉદ્યોગસાહસિક સ્થિતિસ્થાપકતા
 જ્યોતિરોને આવરી લેવામાં આવે
 છે. પોઝેક્ટ ઉદ્યાની અસરને
 સાચા અથ માં સમજવા માટે,
 આપણે આંકડગોમાંથી બહાર
 આવીને વ્યક્તિગત વાતાવરો પર
 ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવાની જરૂર છે.
 ઉમા - ઉચ્ચ શાખા સ્તરન્દિર, જેના
 ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપના

PUBLICATION NAME
EDITION
DATE
PAGE

: Prabhat
: Ahmedabad
: Jan 13, 2025
: Pg 03

EDII દ્વારા પ્રોજેક્ટ ઉદ્યા : ઉદ્યોગસાહસિકતાના સપનાને કરી રહી છે સાકાર

PUBLICATION NAME : Sandesh
 EDITION : Ahmedabad
 DATE : Jan 12, 2025
 PAGE : 04

સાંદેશ City Life

Date : 12.01.2025 Page : 04

દિવ્યાંગ મહિલાઓ બની 'પગભર': EDIIએ મહિલાઓને તાતીમ આપી આંત્રપ્રિદ્યોર બનાવી

દિવ્યાંગ મહિલાઓ બની 'પગભર': EDIIએ પ.૬૧૫ પેટા પ્રોજેક્ટ ઉદ્ઘાટણ કરી રહેલું હતું, જેથી તાતીમ આપવાની પ્રક્રિયા અને વિવિધ વિષયોंની વિસ્તારી વિચારણા કરાયા જાય.



સાંદેશ | આંત્રપ્રિદ્યોર વિષયે ડેવાફેટ વીન્ડેટર્સ એન્ડ પર્ફિન્યુન્ઝન (EDII) તરફાને દિવ્યાંગોને સુપરના નજીવી લોકો પણ આપ્યા રહેલે પણ અને તે માટે દ્વારા શોમુનિકેશનની વિનિયોગ દ્વારા સમર્પિત પ્રોજેક્ટ ઉદ્ઘાટણ થી પૂરી રૂપથી અને સર્વાચેરિત વિવિધ તાતીમ વિનિયોગનું આપાણન કર્યું હતું. જોણ પણ આપ્યા નાનાં બાદ, પ્રદ્યાપ ઉદ્ઘાટણ મહિલાઓની અને ૧૦ હજાની વધુ લોકોની પણ આપાણની કોઈ સર્વત્ર ઉંગળ થાક કરીને બાબુના અખબંધની આમનિન્દ્રાની બધ્યાં છે. EDIIએ એકચર્ચ દ્વારા ઉદ્ઘાટણ કરીને વિવિધ વિષયોની વિસ્તારીકરણ કરી અને અને સર્વાચેરિત સંસ્કૃતિક વિષયોની પરિચિતી કરી. આ સાથે તેમની અને રહેવી કિયેલીવિનીને પ્રેરણની આપી આપવાનાં આવે છે. WEDPS એન્ડ ૧,૪૦૦થી વધુ મહિલાઓને તાતીમ આપવાનાં આવે છે, જેનાં તેમની વિવિધ વિષયોની સમર્પણ, તક્કું મુલ્યાંકન કરવા અને સંસ્કૃતિક સ્થળોની પરિચિતી કરવા માટે શાન આપ થાય છે. આ શાયેકું પ્રાણીની વિલાસ પર ભાર મુક્ત છે, જેથીની નક્કીની અંગે, પાત્રાંદી વિવિધ વિષયોનની પરિચારકના માનનીયતાની વિસ્તારના અને ઉદ્યોગસાહિતિક સિલિસ્પક્ટના જ્યા જેનાં આવાદી વિભાગી આવે છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્ઘાટણ કરી રહેલું હતું, જેનાં રાખાણા કર્યાં હતા. ઉમાલું ઉઘાસીના વિભાગ કાંગડા (WEDPS)ના જોડાયાને ઉઘાસાલિસીતાના પાઠ શીખા હતું. જેના પરિણામ રચ્યું આને ઉમાલુંની કર્યાણા રોકાણ આં મહિને ૫૦ હજાની માસિક આપક મેળાની રજા છે અને અનિયમાન વિવિધ વિષયોનની આપક ધ્યાનવાળી બોજાણા પણ જાણી રજા છે. ઉમાલુંની હાંદું અને વિદ્યુલોક પ્રોમિકનાં ને ડેવાફેટ શાકમાણું આને ફુલોના ઉઘાસનાનું કામ કરી રહ્યા છે. તેમની આપક કંડી રોતે મેળાની શક્તાની વિશેષતા કરી રહી છે.

પ્રોજેક્ટ ઉદ્ઘાટણ કરી રહેલું હતું, જેનાં રાખાણા કર્યાં હતા. ઉમાલુંની સાંદેશ માસિક આપક મેળાની વિભાગ કાંગડા (WEDPS)ના જોડાયાને ઉઘાસાલિસીતાના પાઠ શીખાં હતા. જેનાં પરિણામ રચ્યું આને ઉમાલુંની કર્યાણા રોકાણ આં મહિને ૫૦ હજાની માસિક આપક મેળાની રજા છે અને અનિયમાન વિવિધ વિષયોનની આપક ધ્યાનવાળી બોજાણા પણ જાણી રજા છે. ઉમાલુંની હાંદું અને વિદ્યુલોક પ્રોમિકનાં ને ડેવાફેટ શાકમાણું આને ફુલોના ઉઘાસનાનું કામ કરી રહ્યા છે. તેમની આપક કંડી રોતે મેળાની શક્તાની વિશેષતા કરી રહી છે.

